

ब्याज का आधुनिक सिद्धांत (Modern Theory of Interest)

नव-कीन्स प्रेरित (Neo-Keynesian) सिद्धांत

प्रतिष्ठित सिद्धांत तथा कीन्स के सिद्धांतों का समन्वय

प्रो. हिक्स एवं प्रो. लर्नर जैसे अर्थशास्त्रियों ने प्रतिष्ठित व कीन्स के सिद्धांत से कुछ महत्वपूर्ण अंशों को लेकर उन्हें एक नवीन सिद्धांत में संयोजित कर दिया है।

इसे **ब्याज का निर्धारित सिद्धांत** भी कहा जाता है

आधुनिक सिद्धांत ब्याज दर निर्धारण की समस्याओं का अध्ययन मौद्रिक तथा अमौद्रिक अथवा वास्तविक तत्वों की संतुलन के अध्ययन में सम्मिलित करके करता है।

प्रतिष्ठित सिद्धांत का कहना है कि ब्याज की दर वहां निश्चित होती है जहाँ *बचत तथा विनियोग की मात्रा बराबर* होती है अर्थात् प्रतिष्ठित सिद्धांत ने ब्याज दर के निर्धारण की व्याख्या प्रस्तुत करते समय केवल वास्तविक तत्व को (वास्तविक बचत एवं वास्तविक विनियोग) को ही महत्त्व दिया था।

इसके विपरीत **कीन्स के सिद्धांत** के अनुसार ब्याज की दर *मुद्रा की मांग (अथवा तरलता पसंदगी) तथा मुद्रा की पूर्ति* द्वारा होती है अर्थात् कीन्स के सिद्धांत में केवल मौद्रिक तत्वों को ही महत्त्व प्रदान किया गया था।

परंतु आधुनिक सिद्धांत ने मौद्रिक तथा गैर मौद्रिक तत्वों को संयोजित करके ब्याज दर के निर्धारण की व्याख्या प्रस्तुत की है।

आधुनिक सिद्धांत, ब्याज के प्रतिष्ठित सिद्धांत और कींसियन दोनों का ही सम्मिश्रण है। जिससे हमें चार तत्व प्राप्त होते हैं:-

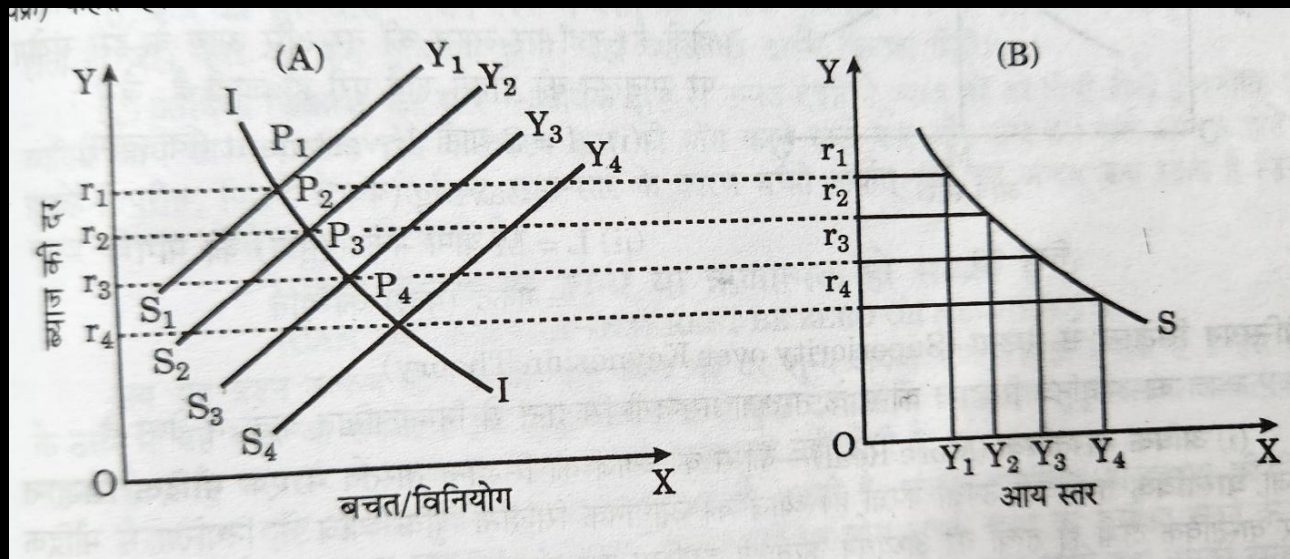
- ❖ विनियोग मांग वक्र तथा विनियोग फलन
- ❖ बचत रेखा या बचत फलन
- ❖ तरलता पसंदगी रेखा या तरलता पसंदगी फलन
- ❖ मुद्रा की मात्रा या पूर्ति

विनियोग - बचत वक्र (IS Curve)

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों की विनियोग एवं बचत की समानता के आधार पर विनियोग बचत वक्र प्राप्त होता है वीडियो बचत वक्र ब्याज और आय के ऐसे संयोगों को बताता है जहाँ बचत और विनियोग आपस में बराबर होते

$I = f(r)$ विनियोग ब्याज दर का फलन होता है

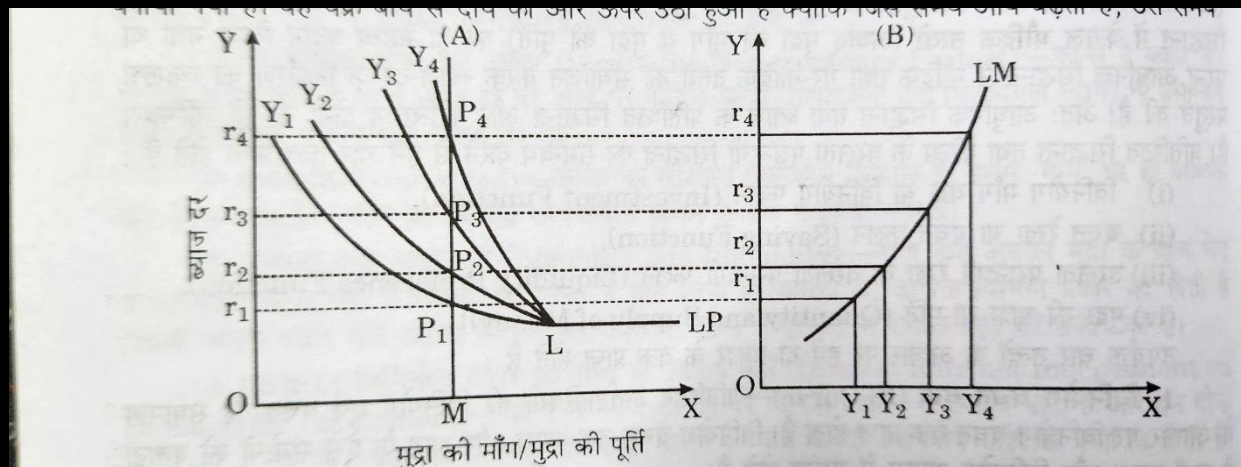
$S = f(Y)$ बचत आय का फलन होती है



तरलता पसंदगी रेखा तथा मुद्रा की मात्रा वक्र

कीन्स ने ब्याज दर को पूर्णतः एक मौद्रिक घटना माना। कीन्स की तरलता पसंदगी विचारधारा से LM वक्र की तुलना की गई है। LM वक्र बताता है कि यदि मुद्रा की मात्रा तथा तरलता पसंदगी दी हुई हो तो विभिन्न आय स्तरों के लिए ब्याज की दर क्या होगी

चित्र



ब्याज की दर का निर्धारण

